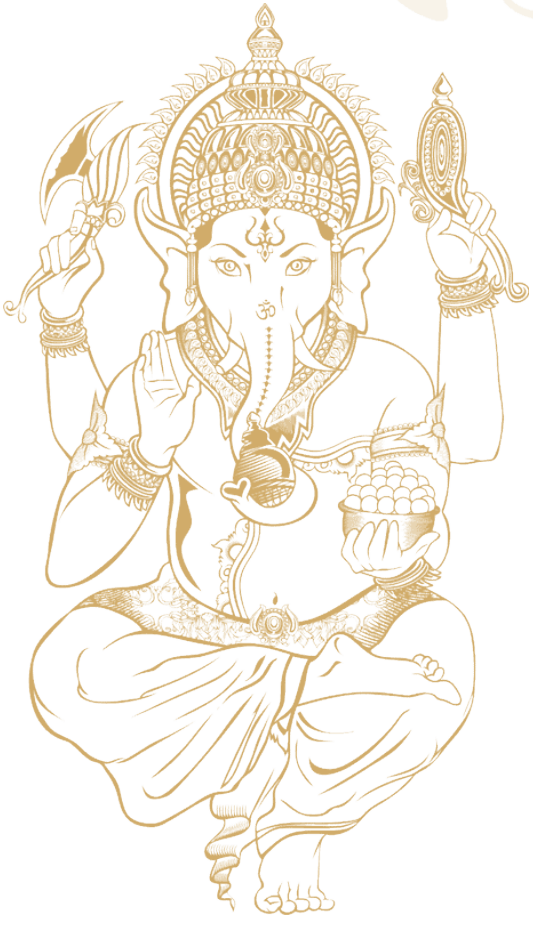

Rajesh yadav

13 Nov 1970

12:02 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121434002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12-13/11/1970**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**00:02:00 घंटे**
इष्ट	43:21:58 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:40:52 घंटे
वेलान्तर	00:15:55 घंटे
साम्पातिक काल	03:06:45 घंटे
सूर्योदय	06:41:12 घंटे
सूर्यास्त	17:29:08 घंटे
दिनमान	10:47:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	26:30:44 तुला
लग्न के अंश	28:45:59 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	व्यतिपात
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूनेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	28:45:59	309:45:42	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			तुला	26:30:44	01:00:21	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	नीच राशि
चंद्र			मेष	19:26:58	14:10:46	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल			कन्या	21:21:12	00:38:06	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
बुध		अ	वृश्चि	06:06:58	01:32:16	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	सम राशि
गुरु		अ	तुला	23:47:31	00:13:13	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र	व	अ	तुला	22:38:05	00:35:59	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	स्वराशि
शनि	व		मेष	25:36:29	00:04:53	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	नीच राशि
राहु	व		कुंभ	05:46:33	00:11:49	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	05:46:33	00:11:49	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			कन्या	18:10:57	00:03:10	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
नेप			वृश्चि	06:46:18	00:02:14	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
प्लूटो			कन्या	05:33:42	00:01:34	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			मेष	25:41:28	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:27:07

लग्न-चलित

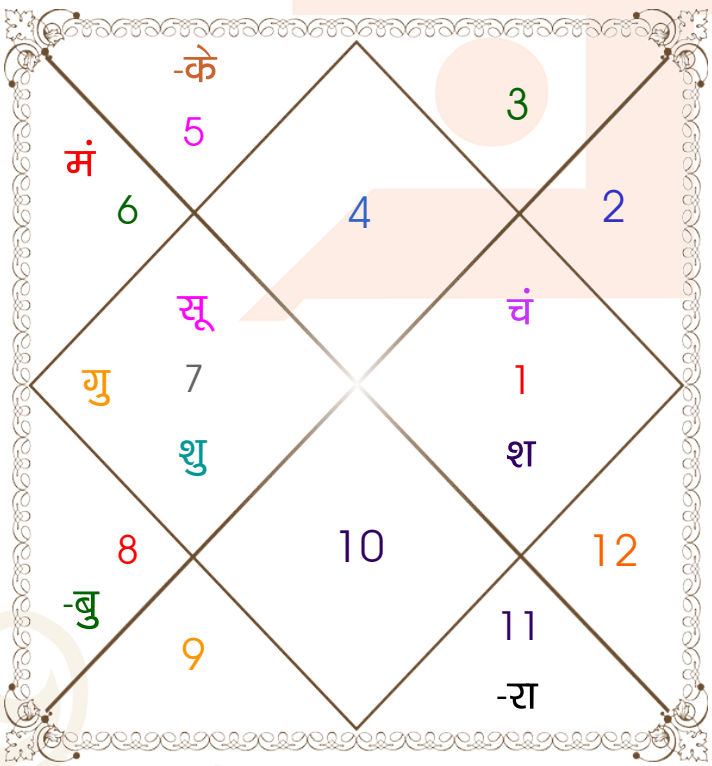

चन्द्र कुंडली

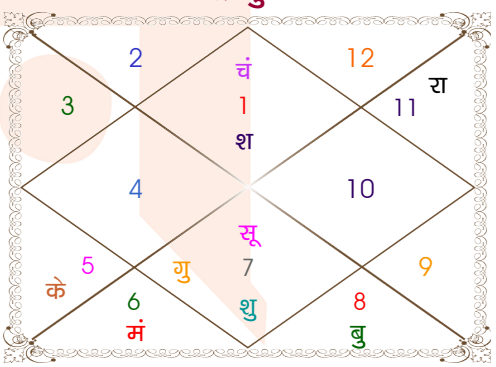

नवमांश कुंडली

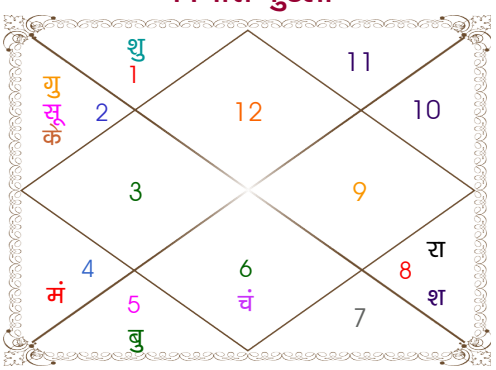

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 10 वर्ष 9 मास 27 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
13/11/1970		10/09/1981		10/09/1987		10/09/1997		09/09/2004	
10/09/1981		10/09/1987		10/09/1997		09/09/2004		10/09/2022	
	00/00/0000	सूर्य	28/12/1981	चंद्र	11/07/1988	मंगल	06/02/1998	राहु	24/05/2007
	00/00/0000	चंद्र	29/06/1982	मंगल	09/02/1989	राहु	24/02/1999	गुरु	16/10/2009
	00/00/0000	मंगल	04/11/1982	राहु	10/08/1990	गुरु	31/01/2000	शनि	22/08/2012
	13/11/1970	राहु	28/09/1983	गुरु	10/12/1991	शनि	11/03/2001	बुध	12/03/2015
राहु	10/11/1971	गुरु	17/07/1984	शनि	11/07/1993	बुध	08/03/2002	केतु	29/03/2016
गुरु	11/07/1974	शनि	29/06/1985	बुध	10/12/1994	केतु	04/08/2002	शुक्र	30/03/2019
शनि	10/09/1977	बुध	05/05/1986	केतु	11/07/1995	शुक्र	05/10/2003	सूर्य	22/02/2020
बुध	11/07/1980	केतु	10/09/1986	शुक्र	11/03/1997	सूर्य	09/02/2004	चंद्र	22/08/2021
केतु	10/09/1981	शुक्र	10/09/1987	सूर्य	10/09/1997	चंद्र	09/09/2004	मंगल	10/09/2022

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
10/09/2022		10/09/2038		10/09/2057		10/09/2074		10/09/2081	
10/09/2038		10/09/2057		10/09/2074		10/09/2081		00/00/0000	
गुरु	28/10/2024	शनि	13/09/2041	बुध	06/02/2060	केतु	06/02/2075	शुक्र	09/01/2085
शनि	11/05/2027	बुध	23/05/2044	केतु	03/02/2061	शुक्र	07/04/2076	सूर्य	09/01/2086
बुध	16/08/2029	केतु	02/07/2045	शुक्र	04/12/2063	सूर्य	13/08/2076	चंद्र	10/09/2087
केतु	23/07/2030	शुक्र	31/08/2048	सूर्य	10/10/2064	चंद्र	14/03/2077	मंगल	09/11/2088
शुक्र	23/03/2033	सूर्य	13/08/2049	चंद्र	11/03/2066	मंगल	10/08/2077	राहु	13/11/2090
सूर्य	09/01/2034	चंद्र	15/03/2051	मंगल	09/03/2067	राहु	29/08/2078		00/00/0000
चंद्र	11/05/2035	मंगल	22/04/2052	राहु	25/09/2069	गुरु	05/08/2079		00/00/0000
मंगल	16/04/2036	राहु	27/02/2055	गुरु	01/01/2072	शनि	12/09/2080		00/00/0000
राहु	10/09/2038	गुरु	10/09/2057	शनि	10/09/2074	बुध	10/09/2081		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 10 वर्ष 10 मा 11 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।